नवमः पाठः

# अङ्गुलीयकप्राप्तम्

**पञ्चमी-षष्ठीविभक्तिः**

प्रस्तुत अंश महाकवि कालिदास द्वारा रचित *अभिज्ञानशाकुन्तलम्* नाटक के षष्ठ अङ्क से सम्पादित किया गया है। राजा दुष्यन्त ने शकुन्तला को अपने प्रेम के प्रतीक के रूप में एक अँगूठी दी थी जिस पर दुष्यन्त का नाम अङ्कित था। वह अँगूठी धीवर को कैसे मिली? प्रस्तुत पाठ में इसका रोचक वर्णन संवाद शैली में किया गया है।

*(ततः प्रविशन्ति नागरिकः श्यालः बद्धं पुरुषम् आदाय रक्षकौ च)*



**रक्षकौ** – (*ताडनस्य अभिनयं कृत्वा*) अरे कुम्भीलक! कथय, कुत्र त्वया एतत् राजकीयम् अङ्गुलीयकं प्राप्तम्? एतस्मिन् तु राज्ञः नाम उत्कीर्णं विद्यते।

**बद्धपुरुषः** – (*भयस्य अभिनयं कृत्वा*) भवन्तः प्रसीदन्तु। अहं न ईदृशः कर्मकरः।

**जानुकः** – किं शोभनः ब्राह्मणः इति मत्वा राजा तुभ्यं दानं दत्तवान्?

**बद्धपुरुषः** – शृणुत इदानीम्। अहं शक्रावतारस्य तीर्थस्य निवासी धीवरः अस्मि।

**सूचकः** – धूर्त! किम् अस्माभिः तव जातिः पृष्टा?

**श्यालः** – सूचक! सर्वं क्रमेण कथयतु। एनं मध्ये मा निवारय।

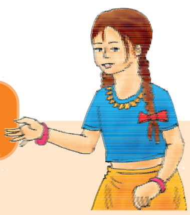
**रक्षकौ** – यथा भवान् आज्ञापयति।

**बद्धपुरुषः** – अहं मत्स्यविक्रयेण कुटुम्बस्य भरणं करोमि।

**श्यालः** – (*विहस्य*) विशुद्धं तव आजीविकायाः साधनम्।

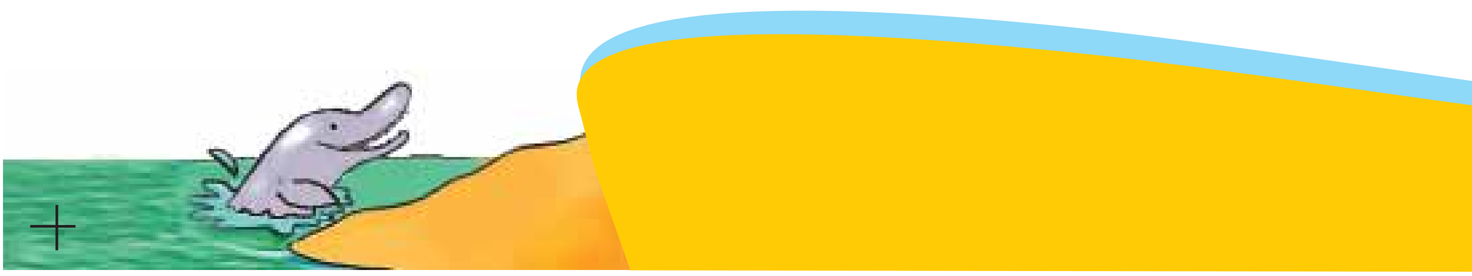
**बद्धपुरुषः** – एकस्मिन् दिवसे मया रोहितमत्स्यः खण्डशः कृतः। तस्य उदरस्य अभ्यन्तरे मया इदं रत्नशोभितम् अङ्गुलीयकं प्राप्तम्। अयम् अस्य आगमवृत्तान्तः। पश्चात् तस्य विक्रयाय आगतः अहम् आभ्यां गृहीतः। इदं श्रुत्वा मां मारयत वा मुञ्चत वा।

**श्यालः** – जानुक! अस्य शरीरात् मांसस्य गन्धः निःसरति। अतः निःसंशयम् अयं मत्स्यमारकः एव। परन्तु अस्य अङ्गुलीयकस्य प्राप्तिः विचारणीया। राजकुलं गच्छामः। तत्रैव अस्य निर्णयः भविष्यति।



## शब्दार्थाः

| | | | |
|---|---|---|---|
| **श्यालः** | – | साला | brother-in-law |
| **बद्धम्** | – | बाँधा गया | tied |





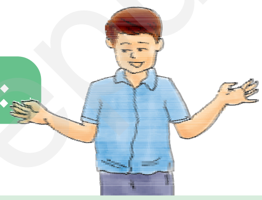
| | | | |
|---|---|---|---|
| **आदाय** | – | लेकर | after getting |
| **रक्षकौ** | – | दो सिपाही (जानुक और सूचक) | two policemen |
| **ताडयित्वा** | – | पीटकर | having beaten |
| **कुम्भीलकः** | – | अपमानसूचक शब्द | abusive word |
| **राजकीयम्** | – | राजा की | of the king |
| **अङ्गुलीयकम्** | – | अँगूठी | ring |
| **उत्कीर्णम्** | – | खुदा हुआ | inscribed |
| **प्रसीदन्तु** | – | प्रसन्न हों | be pleased |
| **ईदृशः** | – | ऐसा | like this |
| **कर्मकरः** | – | काम करनेवाला | worker |
| **इदानीम्** | – | अब | now |
| **धीवरः** | – | मछुआरा | fisherman |
| **शृणुत** | – | सुनो | listen |
| **निवारय** | – | रोको | stop |
| **मत्स्यविक्रयेण** | – | मछली बेचने से | by selling fish |
| **आजीविकायाः** | – | जीविका का | of means of livelihood |
| **रोहितमत्स्यः** | – | रोहित नामक मछली | a special Indian fish |
| **खण्डशः कृतः** | – | टुकड़े-टुकड़े कर दिया गया | cut into pieces |
| **उदरस्य** | – | पेट का | of abdomen |
| **अभ्यन्तरे** | – | अन्दर | within |
| **आगमवृत्तान्तः** | – | प्राप्ति की सूचना | information of obtaining |





| | | | |
|---|---|---|---|
| **विक्रयाय** | – | बेचने के लिए | for selling |
| **अन्तरे** | – | बीच में | in the middle |
| **आभ्याम्** | – | इन दोनों के द्वारा | by these two |
| **मारयत** | – | मार दो | kill |
| **वा** | – | अथवा | or |
| **मुञ्चत** | – | छोड़ दो | release |
| **निःसरति** | – | निकल रही है/निकल रहा है | coming out |
| **मत्स्यमारकः** | – | मछली मारने वाला | fisherman |
| **विचारणीया** | – | विचार करने योग्य है | matter of discussion |

## अभ्यासः



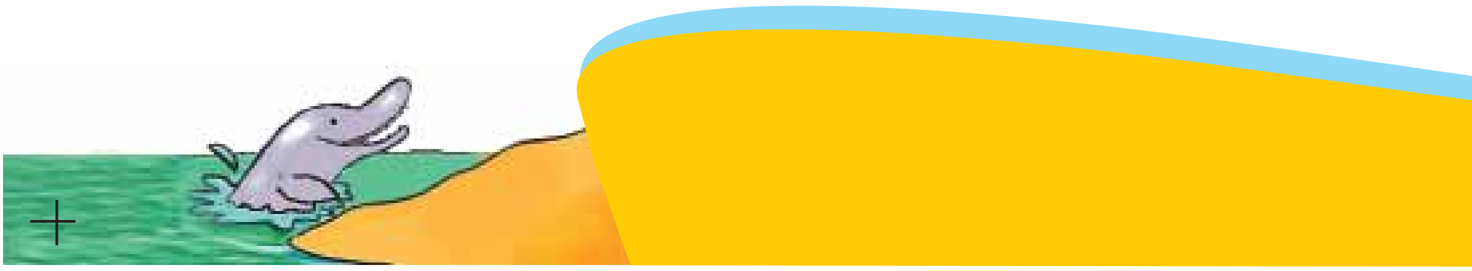
**1. उच्चारणं कुरुत–**

**पञ्चमी-विभक्तिः**

| | | | |
|---|---|---|---|
| **पुँल्लिङ्गः** | मोदकात् | मोदकाभ्याम् | मोदकेभ्यः |
| **स्त्रीलिङ्गः** | मालायाः | मालाभ्याम् | मालाभ्यः |
| **नपुंसकलिङ्गः** | चित्रात् | चित्राभ्याम् | चित्रेभ्यः |

**षष्ठी-विभक्तिः**

| | | | |
|---|---|---|---|
| **पुँल्लिङ्गः** | नरस्य | नरयोः | नराणाम् |
| **स्त्रीलिङ्गः** | छात्रायाः | छात्रयोः | छात्राणाम् |
| **नपुंसकलिङ्गः** | पत्रस्य | पत्रयोः | पत्राणाम् |





**2. निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत–**

(क) प्रस्तुतपाठस्य कथा कस्मात् ग्रन्थात् उद्धृता?

(ख) अस्याः कथायाः रचयिता कः?

(ग) धीवरः केन उपायेन परिवारस्य भरणं करोति स्म?

(घ) धीवरेण किं प्राप्तम्?

(ङ) शक्रावतारस्य तीर्थस्य निवासी कः आसीत्?

**3. निम्नलिखितेभ्यः पदेभ्यः भिन्नप्रकृतिकं पदं चिनुत–**

(क) विहस्य, भयस्य, शक्रावतारस्य, कुटुम्बस्य।

(ख) दत्तः, राज्ञः, कृतः, गृहीतः।

(ग) प्रविशति, निःसरति, आज्ञापयति, जातिः।

(घ) निवारय, कथय, आदाय, शृणुत।

(ङ) श्रुत्वा, ताडयित्वा, पृष्टा, कृत्वा।

**4. कोष्ठकात् उचितं पदं चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत–**

(क) सुधा .................. धनम् आनयति। (कोषात्/कोषेण)

(ख) गङ्गा .................. प्रभवति। (हिमालयस्य/हिमालयात्)

(ग) .................. आभूषणं विद्या। (नरात्/नरस्य)

(घ) .................. जलं निर्मलम्। (अलकनन्दायाः/अलकनन्दया)

(ङ) .................. जनसंख्या। (नगरम्/नगरस्य)

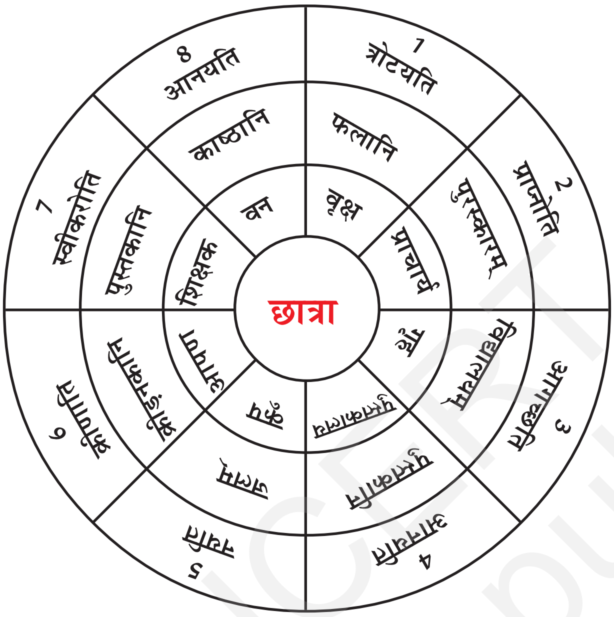








**5.** **अधोलिखितं वृत्तचित्रं पश्यत। उदाहरणानुसारेण द्वितीयकोष्ठकेषु दत्तेषु शब्देषु विभक्तिं प्रयुज्य उचितवाक्यानि रचयत।**




यथा– (1) छात्रा (वृक्ष) वृक्षात् फलानि त्रोटयति।

(2) ..................................................

(3) ..................................................

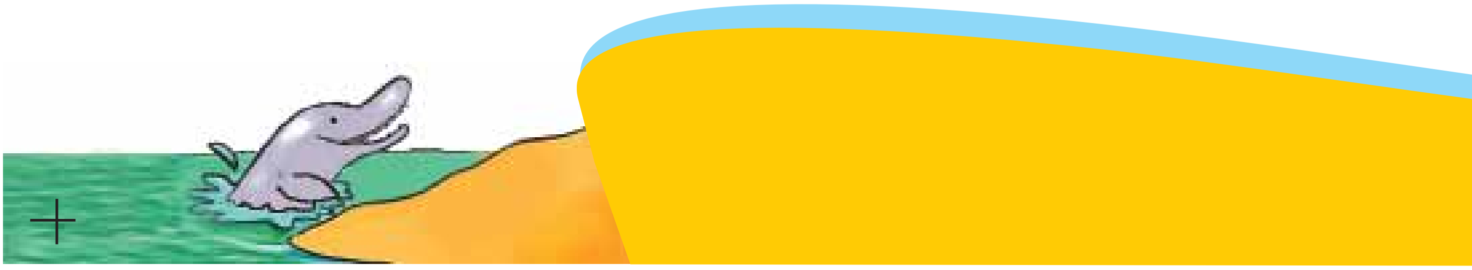
(4) ..................................................

(5) ..................................................

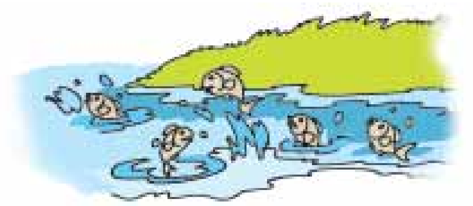
(6) ..................................................

(7) ..................................................

(8) ..................................................



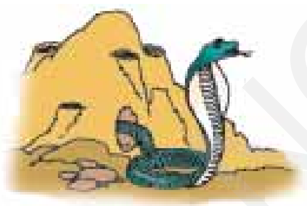
**6. चित्राणि दृष्ट्वा कोष्ठकगतशब्देषु उचितां विभक्तिं प्रयुज्य वाक्यानि पूरयत-**



मत्स्याः .................... बहिः आगच्छन्ति। (तडाग)



नृपः .................... पतति। (अश्व)



सर्पः .................... निर्गच्छति। (बिल)



.................... जलं पतति। (मेघ)



.................... पत्राणि पतन्ति। (वृक्ष)

